इंदिरा प्रतिष्ठान में आईआईए की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री, गुणवत्ता से समझौता न करें

यूपी का एमएसएमई क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत की सबसे बड़ी ताकत : योगी

- कहा-यूपी में निवेश कीजिए आपकी सुरक्षा और निवेश संबंधी मदद हम करेंगे
- झांसी, बुंदेलखंड औद्योगिक क्षेत्र में जल्द एयरपोर्ट शुरू हो जाएगा

उद्यमी सम्मेलन

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तर प्रदेश के एमएसएमई उद्यमी अपने उत्पादों की गुणवत्ता से समझौता न करें, प्रदेश सरकार शासकीय खरीद में उन्हें हर हाल में प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रदेश का एमएसएमई सेक्टर आत्मनिर्भर भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है। हमने टेक्नोलॉजी को सुदृढ़ करके इंस्पेक्टर राज में मुक्ति दिलाने की दिशा में बेहतरीन कार्य किया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के उद्यमी महासम्मेलन में कहीं।

झांसी और बुंदेलखंड औद्योगिक क्षेत्र में जल्द एयरपोर्ट शुरू होगा : मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश में उद्योगों को बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रही है। हमारी कोशिश है कि झांसी और बुंदेलखंड औद्योगिक क्षेत्र में जल्द एयरपोर्ट शुरू हो जाए, ताकि उद्यमियों को आवागमन में दिक्कत न हो।

नोएडा औद्योगिक क्षेत्र को विकसित करने में 46 साल लग गए, लेकिन बुंदेलखंड झांसी औद्योगिक क्षेत्र में अभी से ही निवेशक आने लगे हैं। उन्होंने कहा कि डिफेंस कॉरिडोर के तहत वहां कई बड़ी कंपनियां आ रही है एयरपोर्ट शुरू जाने से गतिविधियों में और तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि आज का समय स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का है। दुनिया हमारी तरफ देख रही है। ये समय आपका यानी उद्यमियों का है। यूपी के किसी भी शहर में बेहिचक निवेश कीजिए। आपकी सुरक्षा और निवेश संबंधी मदद हम करेंगे। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि हर तरह का सहयोग करेंगे।

नोएडा में सितम्बर 2024 में ट्रेड शो होगा: मुख्यमंत्री ने सितंबर में नोएडा में हुए इंटरनेशनल ट्रेड शो की सराहना करते हुए कहा कि जिस तरह से ट्रेड शो के प्रति देश और विदेश के लोगों का रुझान था उसे देखते हुए सितंबर 2024 में और बड़ा ट्रेड शो नोएडा में आयोजित किया जाएगा। प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में इस तरह के ट्रेड शो आयोजित किए जाएंगे। इससे उद्यमियों को भी अपने उत्पाद के प्रचार-प्रसार का मंच मिलेगा। इस मौके पर मौजूद उद्यमियों ने एक दूसरे से अपने-अपने विचार साझा किए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ में उद्यमी को सम्मानित किया।

रिफॉर्म, परफॉर्म व लॉ एंड ऑर्डर पर काम किया है

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्यमियों को चक्कर न लगाना पड़े। इसके लिए लगातार काम हो रहे हैं। पिछले साढ़े छह वर्षो में यूपी ने रिफॉर्म, परफॉर्म और लॉ एंड ऑर्डर पर काम किया है। प्रदेश में 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने उद्यमियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र, अपर मुख्य सचिव एमएसएमई अमित मोहन प्रसाद, आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंघल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश गोयल, महासचिव आलोक अग्रवाल, अवधेश अग्रवाल, राजीव बंसल सहित कई प्रदेश भर से उद्यमियों ने हिस्सा लिया।

उद्योगों को बढ़ावा देने को सोलर पॉलिसी में बदलाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में उद्योग चलाने में किसी तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए सोलर पॉलिसी में बदलाव किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि एनसीआर और दूसरे शहरों में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है, जिसके कारण जनरेटर आदि पर प्रतिबंध लग गया है। उद्यमियों की मुश्किलों को देखते हुए सरकार ने घरेलू और दूसरे उपभोक्ताओं की तरह ही औद्योगिक क्षेत्र के लिए भी विशेष सोलर पॉलिसी बनाने के लिए मुख्य सचिव को कहा है, ताकि उद्योगों की जरूरत को कम लागत में पूरा किया जा सके और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे।

प्रतिस्पर्धा में पैकेजिंग पर खास ध्यान देना होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्रतिस्पर्धा किससे है, इसे देखकर क्वालिटी को बेहतर बनाना होगा। जो दिखता है, वही बिकता है। इसलिए पैकेजिंग पर खास ध्यान दें। यही सबसे पहले आकृष्ट करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पैकेजिंग संस्थान खुल रहा है। इंस्पेक्टर राज को खत्म करने के लिए ही निवेश मित्र और निवेश सारथी पोर्टल लांच किए गए। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार हुआ है। निवेश मित्र पोर्टल देश का सबसे बड़ा पोर्टल है। निवेश सारथी के जरिए एमओयू फाइनल किए जा रहे हैं।

युवाओं को एक वर्ष का मानदेय सरकार देगी

मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से कहाकि युवाओं को प्रशिक्षित कीजिए एक वर्ष का मानदेय सरकार देगी। हमारी सरकार में यूपी में इंफ्रास्ट्रक्चर, गरीब कल्याण योजनाएं और विकास के दम पर दुनिया भर में नाम कमाया है। अगले चार साल में भारत दुनिया की तीन शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा। उद्योग जगत के योगदान के बिना ये संभव नहीं है।